

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

श्रीगणेशाय नमः॥

१००
४००
१६००
६४००
२५६००
१०२४००

॥ १ ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ अथ लज्जन प्रतिकार ॥ लज्जन ससिंदुको तेल माघालिक न गोबर
मागडुदिन १ बाह्य पक्षिणादिनु ॥ अथ लज्जन ससिंदुका तेल मा
हाघालिघानदिनु ५ केरा ३ रघानुदिनु १ सर्व वायुजा ॥ लज्जन कसिंडाको रस घालिना सदिनु
अथा हाजा ॥ लज्जन मुद्राग ससग रिषा नु वायुजा ॥ लज्जन अथ लज्जानु शरीर शुद्ध हो ॥ लज्जन
तातो पानि घानु वायुजा ॥ लज्जन पर्व वीरि को गदिघानु दिन १ शरीर शुद्ध हो ॥ लज्जन गाई दुध
घानु सर्व रोग जा ॥ इंदिय जा ॥ अथ कपास दुध ताको प्रतिकार ॥ मरीच अमिलो ॥ अरिडको ज
हो ससग रि लोहा का भाडा पाप का ईक न हिर लेप गर्नु शिर को वेधा जा ॥ फिंडु सुठो ससग रिशि
र लेप गर्नु शिर को वेधा जा ॥ कागति तातो गदि शिर लेप गर्नु शिर को वेधा जा ॥ जवानु तातो ग
दि शिर लेप गर्नु शिर को वेधा जा ॥ अथ कूला को प्रतिकार ॥ सावन मरीच गाई को घिडु ससग
दि निमका ठले पानु दिन १ अंजन गर्नु को लोजा ॥ आषाढा को जा ॥ एकरंग को गाई को गौतमा

श्रीगणेशाय नमः